सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 62 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 5 अप्रैल, 2024
मूल्य ₹ 3/-

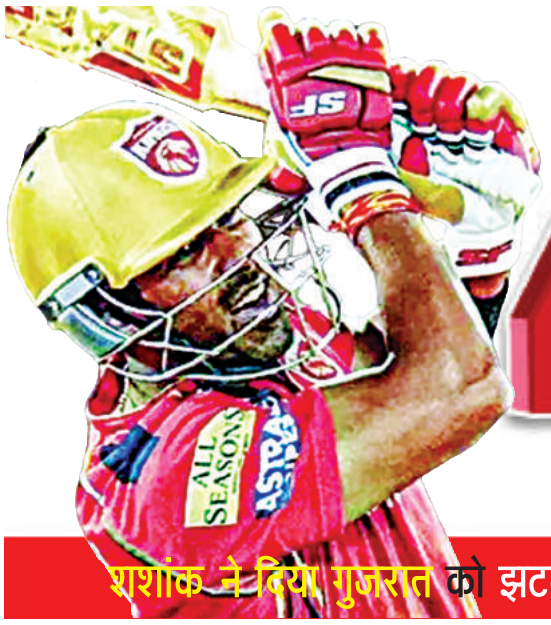

आइये हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।

-डॉ. अब्दुल कलाम

शशांक ने दिया गुजरात को झटका, टाइटंस... 7 | राजनीति क्या न करवाए, नेताओं... 3 | बीजेपी सांसद ने नहीं किया कन्नौज... 2

कांग्रेस का पूरे देश में न्याय व खुशहाली लाने का वादा

» लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी

» राहुल गांधी व अन्य नेता भी रहे उपस्थित

» जनता से किया 25 गारंटियों का वादा

» खरगे बोले- मैनिफेस्टो गरीबों को समर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पूरे देश में खुशहाली व न्याय देने के इरादे वाला घोषणा पत्र जारी कर दिया। वहीं अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र गरीबों को समर्पित है। लोकसभा चुनाव शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति मुख्यालय में घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने अपने घोषणापत्र को न्याय पत्र का नाम दिया है। बता दें, घोषणा-पत्र 'पांच न्याय और 25 गारंटी' पर आधारित होगा। कांग्रेस के अनुसार, घोषणापत्र में पार्टी के पांच न्याय हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्यायको शामिल किया गया है।

पीएमएलए कानून पर नजर

शुक्रवार को पार्टी द्वारा जारी किए जाने वाले घोषणापत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 को खत्म करने का भी वादा किया जाएगा। इसका दायरा कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की तरफ से बढ़ाया गया था। बाद में 2015 और 2019 में संशोधन के माध्यम से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा मजबूत किया गया था।

घोषणा पत्र के प्रमुख वादे

लद्दाख में यथास्थिति बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा

1- महिलाओं को सरकारी नौकरी में 50प्रतिश आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन

2- पीएसयू और सरकारी नौकरियों में कॉन्ट्रैक्चुअल नौकरियों को खर कर स्थायी करेंगे

3- निजी शिक्षा संस्थानों में एससी/एसटी, ओबीसी वर्ग को आरक्षण देंगे

4- छात्रों को जाति के आधार पर किसी भी तरह के उत्पीड़न से बचाने के लिए रोहित वेमुला अधिनियम लाएंगे

5- वरिष्ठ नागरिकों, विडोज़ और विकलांग पेंशन को बढ़ाकर 1,000 रुपए महीना किया जाएगा

6- डाइग्नोसिस, सर्जरी और दवाओं समेत मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए 25 लाख तक का कैशलेस इंश्योरेंस

7- गरीब परिवार के लिए महालक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी. जहां उन्हें बिना शर्त 1 लाख रुपए दिए जाएंगे

8- पैसा बांटने से पहले इसको लाने पर काम किया जाएगा. मोदी सरकार के 5 सालों में लोगों की सैलरी स्थिर है

9- एक राष्ट्रव्यापी सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना कराई जाएगी, जिसमें जातियों और उपजातियों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में जानकारी मिल सके।

30 लाख सरकारी नौकरी का वादा

पार्टी ने युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय के तहत जाति जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की गारंटी दी है। उसने किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है।

श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी

कांग्रेस ने श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है। उसने नारी न्याय के अंतर्गत महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये प्रति वर्ष देने समेत कई वादे किए हैं। इसके अगले दिन जयपुर एवं हैदराबाद में जनसभाएं आयोजित की जाएंगी जिनमें पार्टी के शीर्ष नेता शामिल होंगे। जयपुर में आयोजित घोषणापत्र संबंधी रैली को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा संबोधित करेंगी। हैदराबाद में घोषणापत्र संबंधी जनसभा को राहुल गांधी संबोधित करेंगे।

बीजेपी ने सबसे बड़ा घोटाला किया: संजय सिंह

» बोले- कुचक्र रचकर सीएम को किया गिरफ्तार

» अन्याय, तानाशाही से लड़ने का संकल्प हुआ मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेल से रिहा होने के बाद आम आदमी पार्टी के सांसद और नेता संजय सिंह का भाजपा व मोदी सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने एक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने सबसे बड़ा घोटाला किया है। इस घोटाले में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुचक्र रचने का काम भाजपा ने किया है। इसके तहत ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ़्तार किया गया। वो मुख्यमंत्री जो दो करोड़ लोगों के लिए काम कर रहा है, उसे जेल में डालने के लिए साजिश रची गई है।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उसका खुलासा करुंगा। शराब घोटाला बीजेपी ने किया है, जिसका जल्द ही खुलासा किया जाएगा। संजय सिंह ने कहा कि मगुंटा रेडी ने तीन बयान दिए, राघव मगुंटा ने सात बयान दिए थे। इनसे पूछताछ के बाद इन्होंने कहा कि केजरीवाल से इनकी मुकालात हुई थी। ये मुलाकात ट्रस्ट की जमीन को लेकर हुई थी। उसके बाद उनके बेटे को गिरफ्तार किया गया था। पांच महीनों में ही राघव के सात बयान दर्ज किए गए। छह बयानों में उसने केजरीवाल के खिलाफ कोई बात नहीं कगी मगर पांच महीनों तक जेल में रहने के बाद वो बदला और सातवें बयान में बदल जाता है। जिन बयानों में केजरीवाल का विरोध नहीं था उनपर ईडी की टीम ने विश्वास नहीं किया।

आप के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि जेल में छह महीने बिताने के बाद उनका मनोबल बढ़ा है और साथ ही अन्याय एवं तानाशाही के खिलाफ लड़ने का संकल्प मजबूत हुआ है। जमानत मिलने के बाद तिहाड़ जेल से बाहर आए सिंह ने कहा कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन भी जल्द रिहा होंगे। सिंह ने कहा, हमने हमेशा अत्याचार, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है।

सिसोदिया ने जेल से लिखी भावुक चिट्ठी

जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने अपनी विधानसभा (पटपड़गंज) के लोगों के लिए एक चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में मनीष सिसोदिया ने लिखा है कि जल्दी ही बाहर मिलेंगे, जैसे आजादी के समय सबने लड़ाई लड़ी वैसे ही हम अच्छी शिक्षा और स्कूल के लिए लड़ रहे हैं। अंग्रेजों की तानाशाही के बाद भी आजादी का सपना सच हुआ। वैसे ही एक दिन हर बच्चे को सही और अच्छी शिक्षा मिलेगी। अंग्रेजों को भी अपनी सत्ता का बहुत घमंड था। अंग्रेज भी झूठे आरोप लगाकर लोगों को जेल में बंद करते थे। अंग्रेजों ने कई सालों तक गांधी को जेल में रखा। अंग्रेजों ने नेल्सन मंडेला को भी जेल में डाला। ये लोग मेरी प्रेरणा है और आप सब मेरी ताकत। जेल में रहकर मेरा प्यार आप लोगों के लिए और बढ़ा। मेरी पत्नी का आप लोगों ने बहुत ध्यान रखा, सीमा आपकी सबकी बात करते हुए भावुक हो जाती है।

आतिशी को चुनाव आयोग का नोटिस

बीजेपी से ऑफर मिलने वाले बयान पर चुनाव आयोग ने आप नेता आतिशी को नोटिस दिया है। चुनाव आयोग ने बीजेपी की शिकायत के बाद भी यह नोटिस जारी किया है। आयोग के अनुसार उन्हें बीजेपी की तरफ से चार अप्रैल को शिकायत मिली है। इस शिकायत में कहा गया है कि आतिशी नेबीजेपी को लेकर गलत बयान दिया है। बता दें कि आतिशी ने 2 अप्रैल को एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने बीजपी से ऑफ़िर मिलने की बात कही थी।

बीजेपी सांसद ने नहीं किया कन्नौज का विकास : अखिलेश

» आरोप-प्रत्यारोप से इत्रनगरी का सियासी पारा चढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। सपा के गढ़ कन्नौज में अप्रैल की शुरुआत से ही राजनीतिक गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है। वहां के बीजेपी सांसद सुब्रत पाठक व सपा मुखिया अखिलेश यादव में एक दूसरे पर हमला जारी है। कार्यकर्ता सम्मेलन में अखिलेश यादव ने सांसद का नाम लिए बिना ही उन पर कई कटाक्ष किए थे। उन्होंने कन्नौज का विकास रोकने का आरोप भी लगाया था। साथ ही पिछली कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए भी सुब्रत पाठक को घेरा था। अगले दिन सुब्रत पाठक ने उनकी ओर से उम्मीदवारी का एलान न करने पर हैरानी जताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए।

इन सब घटनाक्रम को देखते हुए व सपा और भाजपा के बीच बयानों के तीर चलाने से यह तय हो गया है कि इस बार यहां का चुनाव काफी दिलचस्प और आक्रामक होने वाला है। दोनों ही खेमे एक-दूसरे पर बढ़त बनाने के लिए हर छोटे-बड़े मामले को मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसकी शुरुआत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी में हुए उपचुनाव के दौरान ही हो गई थी। चुनाव और नतीजों के बीच इटावा में एक टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू के दौरान अखिलेश यादव ने सुब्रत पाठक पर टिप्पणी की थी। बदले में सुब्रत पाठक ने उन पर हमला बोलते हुए किसी भी सीट से लड़ने की चुनौती दे डाली थी। उसके कुछ ही दिन बाद अखिलेश यादव ने यहां भ्रमण किया था। सुब्रत पाठक ने अखिलेश यादव पर हमला बोला है, उसके पीछे जनवरी में छापा और फरवरी में वायरल हुई एक ऑडियो क्लिप है।

सलीम शेरवानी से शिवपाल ने मांगी मदद

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे चुके सलीम शेरवानी को अपने पक्ष में करने के लिए बदायूं से सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह ने उनसे बात की। उन्होंने शेरवानी से कहा, चुनाव मैं लड़ूं या मेरा बेटा... आप सहयोग करें। शेरवानी ने इस मुद्दे पर ईद के बाद समर्थकों से विचार-विमर्श करने के बाद ही कोई निर्णय लेने की बात कही। नाराज पूर्व सांसद सलीम इकबाल शेरवानी के सपा के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद से ही सियासी समीकरण साधने के लिए शिवपाल सिंह यादव उन्हें मना लेने की बात कह रहे हैं। चूंकि सलीम शेरवानी प्रयागराज में हैं, इसलिए शिवपाल से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। इस बीच शेरवानी ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा भी कर दी।

ईद के बाद लूंगा फैसला : शेरवानी

सलीम शेरवानी ने अमर उजाला कहा कि बुधवार को शिवपाल सिंह यादव का फोन आया था। उन्होंने कहा कि वह लड़ें या उनका बेटा लड़े, आप मदद करें। आपने शिवपाल सिंह को क्या आश्वासन दिया के सवाल पर सलीम शेरवानी ने कहा कि वह ईद के बाद कोई फैसला करेंगे। ईद तक बिल्कुल नहीं निकलेंगे। अपने समर्थकों से बातचीत करके ही कोई निर्णय लिया जाएगा। समर्थकों से बातचीत के लिए वह ईद के बाद बदायूं आएंगे।

सपा प्रमुख ने आबिद राजा का इस्तीफा किया नामंजूर

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व विधायक आबिद राजा के मांगपत्र पर उन्हें आश्वासन देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पद से दिया गया इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। अखिलेश ने आबिद राजा से पार्टी के पक्ष में पूरे प्रदेश में प्रचार करने के लिए भी कहा है। मालूम हो कि राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी तय करने में पीडीए की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए आबिद राजा ने पूर्व सांसद सलीम शेरवानी के साथ इस्तीफा दिया था।

कांग्रेस के भ्रष्ट बागी नेता जाएंगे जेल : सुक्खू

» भाजपा ने मानहानि का मामला दायर करने की दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऊना। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बागी नेता भ्रष्ट हैं और जल्द ही सलाखों के पीछे जाएंगे। सुक्खू ने ऊना जिले के समूरकलां में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए कांग्रेस के बागी नेता वहां भी परेशानी पैदा करेंगे।

सुक्खू द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भाजपा ने उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करने की धमकी दी। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस के विवेक शर्मा (विक्कू) को कुटलैहड़ विधानसभा सीट से और सतपाल रायजादा को हमीरपुर लोकसभा सीट से जनसमर्थन मिल रहा है और उन्होंने लोगों से दोनों उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। प्रदेश में भ्रष्टाचारियों की एक नहीं चलेगी और वे सक्रिय राजनीति से बाहर हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे पास पैसा नहीं है लेकिन ईमानदारी, नैतिकता और लोगों का समर्थन है। कांग्रेस के छह बागी और तीन निर्दलीय विधायक 15-15 करोड़ रुपए में बिके हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस मिलकर लोस चुनाव लड़ने को तैयार : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने के लिए तैयार हैं। जम्मू संभाग की दो सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवार उतारे हैं और कश्मीर की तीन सीटों पर नेकां ने प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है।

नवा-ए-सुभ श्रीनगर में उमर अब्दुल्ला ने दोनों पार्टियों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला। नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला कश्मीर क्षेत्र में नेकां को समर्थन के कांग्रेस के आश्वासन के जवाब में जम्मू संभाग में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला ने आगे बताया कि दोनों पार्टियां जम्मू-कश्मीर की सभी सीटों पर संयुक्त उम्मीदवार उतारेंगी। पिछले चुनावों के दौरान सामने आई चुनौतियों पर विचार करते हुए उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि श्रीनगर के लोग 11 मई को नेकां के लिए वोट करने के लिए बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय पार्टियां पंजाब के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह सुलूक करती हैं : सुखबीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने राष्ट्रीय दलों पर हमला किया और कहा कि वे पंजाब को ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रांत मानते हैं और इसे हड़पना चाहते हैं।

उन्होंने राज्य में फ्लाईओवर, पुल, सीवरेज सिस्टम या सौंदर्यीकरण परियोजनाओं जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचे के कार्यों के बारे में भी बात की और दावा किया कि ये कार्य शिअद कार्यकाल के दौरान हुए थे। बादल पंजाब के पूर्व मंत्री जगदीश सिंह गरचा के स्वागत समारोह में बोल रहे थे, जो चार साल के अंतराल के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में लौट आए। बादल ने कहा, राष्ट्रीय दल पंजाब को ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रांत के रूप में मानते हैं और राज्य के लोगों का दिल जीतने की कोशिश करने के बजाय इसे अपने कब्जे में लेना चाहते हैं।

कांग्रेस और आप के सात वर्षों के शासन में सब ठप

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आप के सात वर्षों के शासन के दौरान, शहर को सभी विकास कार्यों में रुकावट का सामना करना पड़ा, यहां तक कि नागरिक बुनियादी ढांचा भी बदहाल है। बादल ने यह भी कहा कि आप और कांग्रेस पंजाब में छद्म युद्ध में शामिल है। उन्होंने कहा कि ये दोनों पार्टियां केंद्र में गठबंधन में है और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के साथ मंच भी साझा किया था। उन्होंने कहा, हालांकि, दोनों पार्टियां पंजाब में लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। यहां बादल की उपस्थिति में शिअद में फिर से शामिल हुए गाग्या ने मार्च 2020 में पार्टी छोड़ दी थी और शिअद (संयुक्त) में शामिल हो गए थे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

हम चाहते हैं अमेठी से राहुल ही चुनाव लड़ें : अजय राय

» अमेठी से रॉबर्ट वाड्रा के चुनाव लड़ने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने सक्रिय राजनीति में शामिल होने का संकेत दे दिया है। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह मेरी जानकारी में नहीं है कि रॉबर्ट वाड्रा अमेठी से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि जनभावना के तहत राहुल गांधी चुनाव लड़ें। फिर भी पार्टी शीर्ष नेतृत्व जिसे भी उम्मीदवार तय करेगा, पूरा संगठन उनसे साथ रहेगा।

उधर वाड्रा ने कहा कि अमेठी के लोग मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी से परेशान हैं। वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य वापस आए। वाड्रा ने कहा कि वह यूपी के अमेठी से वर्तमान सांसद स्मृति ईरानी सहित किसी भी नेता को चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

जातीय समीकरण देख संगठन में बड़ा फेरबदल

सलोन में धर्मेंद्र प्रताप सिंह को हटाकर पटेल बिरादरी का वोट साधने के लिए राम सजीवन पटेल को ब्लाक अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं डीह में एससी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए शिव दर्शन पासी को दोबारा ब्लाक अध्यक्ष बना दिया गया है। नसीराबाद देहात के प्रधान प्रतिनिधि तुलसीराम पासी को जिला सचिव से जिला उपाध्यक्ष तथा छतोह के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनुराग सिंह व राजीव द्विवेदी को दोबारा जिला सचिव बनाया गया है।

राजनीति क्या न करवाए, नेताओं का आना-जाना जारी

कांग्रेस व बीजेपी में मची भगदड़

पूरे देश में नेताओं का अपने दलों का हाथ छोड़ने का चला सिलसिला

» विजेंदर, बल्लभ, अनिल शर्मा ने कांग्रेस छोड़ बीजेपी ज्वाइन की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति क्या न करवाए। जो कल तक जिन्हें पानी पी-पी कर कोसते थे आज वही उनके कसीदे पढ़ने लगे हैं। लोक सभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही नेताओं के बयान व पार्टियों को छोड़ एकदूसरे के खेमे में आने-जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया। ये आने-जाने का क्रम बीजेपी, कांग्रेस से लेकर हर पार्टी में चल रहा है। कभी बीजेपी के नेता कांग्रेस में जा रहे हैं तो कहीं कांग्रेस के नेता भाजपा का दामन थाम रहे हैं।

ये आया राम गया राम का चलन पूरे चुनावों के दौरान बदस्तूर जारी रहने की आशंका है। हालांकि सबसे ज्यादा जाने वालों की संख्या कांग्रेस से है। इसके कई लोकप्रिय नेता भाजपा में जा रहे। बॉक्सर विजेंद्र सिंह, मुखर प्रवक्ता गौरव बल्लभ व बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अनिल शर्मा भी कमल का फूल अपनी जेब में लगा लिए हैं। सबसे बड़ी बात पाला बदलते ही इन नेताओं ने अपने पुराने ठिकानों पर निशाना साधना शुरू कर दिया। खैर ये सब तो राजनीति में आम बात है। अब देखना ये है कि जो महानुभाव नई जगह जा रहे हैं वह आने वाले समय में उन स्थानों पर कितना कामयाब होते हैं। वहीं कांग्रेस में आए कुछ नेता नाराज भी हैं। बिहार के इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस के नेता पप्पू यादव ने पूर्णिया से टिकट न मिलने की वजह से वहां निर्दलिय उम्मीदवार के रूप में नामांकन कर दिया।

फारूक अब्दुला नही लड़ेगे चुनाव, पीडीपी नेंका में भी अनबन

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर पीडीपी के साथ लोकसभा चुनावों में गठबंधन नहीं होता है तो विधानसभा चुनावों में भी दोनों पार्टियां एक साथ नहीं लड़ेंगी। उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी के कश्मीर में तीनों लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाने के सवाल के जवाब में यह बयान दिया। उमर ने कहा, कश्मीर की सीटों पर पिछले फार्मूला के बुनियाद पर उम्मीदवार उतारे गए। पहले फैसला यह हुआ था कि जो यहां से जीता है वहीं से चुनाव लड़ेगा। अगर पीडीपी लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है तो वह लड़ सकती है। लेकिन इससे साफ हो जाता है कि संसदीय चुनावों में गठबंधन नहीं हुआ तो विधानसभा चुनाव में भी एकजुट होने की कोई गुंजाइश नहीं है। उमर ने कहा कि महबूबा ने अपनी ओर से गठबंधन का दरवाजा बंद कर दिया है। वहीनेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष और श्रीनगर से मौजूदा सांसद फारूक अब्दुल्ला स्वास्थ्य कारणों से इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। बुधवार को नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपोरा में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी। उमर अब्दुल्ला ने कहा, उन्होंने (फारूक अब्दुल्ला ने) अपने स्वास्थ्य के कारण इस बार चुनाव नहीं लड़ने के लिए (पार्टी के महासचिव) (अली मोहम्मद) सागर और पार्टी के अन्य सदस्यों से अनुमति ली है। उन्होंने कहा कि अब यह पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह निर्वाचन क्षेत्र से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार को मैदान में उतारे। श्रीनगर और बारामुला सीट से प्रत्याशियों की घोषणा जल्द की जाएगी। अनंतनाग-राजोरी सीट पर नेकां ने मियां अल्ताफ को मैदान में उतारा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मतदाता एनसी उम्मीदवार को सफल होने में मदद करेंगे ताकि वह केंद्र में कश्मीर के लोगों की आवाज बन सकें।

2002 के विधानसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला को नेकां का नेतृत्व करने के लिए चुना गया, जबकि 86 वर्षीय फारूक अब्दुल्ला केंद्र की राजनीति में सक्रिय हो गए। फारूक अब्दुल्ला 2002 में जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा के लिए चुने गए और फिर 2009 में फिर से चुने गए। उन्होंने मई 2009 में राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया और श्रीनगर से लोकसभा में एक सीट जीती। अब्दुल्ला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। फारूक अब्दुल्ला ने 2014 के चुनाव में फिर से श्रीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार तारिक हमीद कर्रा से हार गए। हालांकि, कर्रा ने 2017 में लोकसभा से इस्तीफा दे दिया, जिसके कारण श्रीनगर संसदीय सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसे अब्दुल्ला ने पीडीपी उम्मीदवार नजीर अहमद खान को हराकर जीता। उन्होंने 2019 में फिर से चुनाव जीता। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव पिछले चुनावों से बहुत अलग है। उमर ने कहा, पिछले 30 वर्षों से, चुनाव किसी न किसी तरह से प्रभावित हुए हैं, जिसके कारण लोगों ने चुनावों में भाग नहीं लिया। बंदूक के कारण हो या बहिष्कार के आह्वान के कारण श्रीनगर मेंराजनीति सीमित थी। कुछ क्षेत्र वोट देने के लिए निकलते थे और राजनीति उसी पर चलती थी।नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, इस बार, माहौल अलग होगा। हम कोई बहिष्कार का आह्वान नहीं देखेंगे, और बंदूकों का प्रभाव बहुत कम होगा। इस बार, श्रीनगर के लोगों को फैसला करना होगा कि वे यहां की राजनीति में भाग लेना चाहते हैं या नहीं। वे यह तय करना होगा कि वे अपनी आवाज उठाना चाहते हैं या नहीं, वे अपना प्रतिनिधि चुनना चाहते हैं या नहीं।

येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ आक्रोश

बता दें कि अमित शाह के साथ बैठक की मांग से पहले केएस ईश्वरप्पा ने साफ कर दिया था कि वह चुनाव लड़ने का अपना फैसला तब तक नहीं बदलेंगे जब तक कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और राज्य बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को पद से हटाया नहीं जाता। ईश्वरप्पा का कहना है कि उनकी लड़ाई कर्नाटक में एक परिवार के बीजेपी पर नियंत्रण के खिलाफ है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते थे कि कांग्रेस में परिवारवाद है, इसी तरह, राज्य में बीजेपी एक परिवार के हाथों में है, पार्टी को उस परिवार से मुक्त किया जाना चाहिए। इससे पार्टी कार्यकर्ता आहत हैं। मैं प्रतिस्पर्धा करूंगा और कार्यकर्ताओं के दर्द को कम करने के लिए चुनाव लड़ूंगा।

ओडिशा लोकसभा चुनाव 2024 में त्रिकोणीय मुकाबला

ओडिशा में लोकसभा चुनाव चार चरणों में होंगे। राज्य की विधानसभा में बीजू जनता दल को बहुमत हासिल है, मगर लोकसभा चुनाव में बीजेपी पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा थी, मगर आखिरी वक्त में बातचीत खत्म हो गई। सूत्र बताते हैं कि बीजेपी लोकसभा में ज्यादा सीटें मांग रही थी और विधानसभा में बीजेडी को बड़े भाई की हैसियत देने की पेशकश की थी। बात नहीं बनी तो बीजू जनता दल और बीजेपी ने सभी 21 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए। कांग्रेस भी चुनाव मैदान में है, इसलिए चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। बीजेपी ने इस चुनाव में धर्मेंद्र प्रधान, संबित पात्रा और जुएल उरांव जैसे पुराने नेताओं पर दांव खेला है। इसके अलावा बीजू जनता दल छोड़कर बीजेपी जॉइन करने वाले भर्तृहरि महताब जैसे नेताओं को भी कैंडिडेट बनाया है। बीजेडी ने पुरी और कटक लोकसभा सीट समेत कई क्षेत्रों में कैंडिडेट बदल दिए हैं।

कर्नाटक बीजेपी में विद्रोह, ईश्वरप्पा अब निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और कर्नाटक बीजेपी में बगावत थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता केएस ईश्वरप्पा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और मौजूदा सांसद बी वाई राघवेंद्र के खिलाफ शिवमोगा से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने पहले भी शिवमोगा से चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। बता दें कि केएस ईश्वरप्पा बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नहीं मिल सके और उनको खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। ईश्वरप्पा कर्नाटक राज्य बीजेपी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं. वह येदियुरप्पा के बेटे को पद से हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। बीजेपी नेता ने कहा, अब कोई बातचीत नहीं होगी और वह अपनी लड़ाई को तार्किक अंत तक ले जाएंगे और वह शिवमोगा से चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अपना फैसला वापस लेने के लिए बीजेपी नेतृत्व के सामने एक शर्त रखी है. उनकी मांग है कि प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र को अध्यक्ष पद से हटाया जाना चाहिए, तभी वह शिवमोगा से चुनाव लड़ने के फैसले को वापस लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने बीएस येदियुरप्पा और उनके परिवार पर भी जमकर हमला बोला। केएस ईश्वरप्पा ने कहा, एक परिवार के पास राज्य बीजेपी की शक्तियां हैं, जो कि हिंदू कार्यकर्ताओं और बीजेपी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को आहत कर रहा है।

डूंगरपुर बांसवाड़ा सीट पर नहीं हुआ गठबंधन

राजस्थान की डूंगरपुर बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर आखिर कांग्रेस का गठबंधन का प्लान विफल साबित हुआ। कांग्रेस ने यहां से बांसवा?ा के विधायक अर्जुन बामनिया को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उम्मीदवार की घोषणा नामांकन भरने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल से कुछ घंटे पहले ही की है। इससे पहले सियासी गलियारों में कांग्रेस के बाप से गठबंधन की जमकर चर्चाएं चली थी। माना जा रहा था कि कांग्रेस का गठबंधन फाइनल हो जाएगा। लेकिन गठबंधन पर चर्चा विफल रहने के बाद कांग्रेस ने पूर्व मंत्री बामनिया को अब चुनावी मैदान में उतार दिया है। इसके बाद बामनिया ने डूंगरपुर बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इधर, बामनिया के उम्मीदवार घोषित होने के बाद सियासी गलियारों में हलचल बढ़ गई है। कांग्रेस ने कुल 25 विधानसभा सीटों में दो लोकसभा सीट सीकर और नागौर में गठबंधन किया है। इस दौरान काफी समय से चर्चा थी कि कांग्रेस का डूंगरपुर बांसवाड़ा में आदिवासी क्षेत्र पार्टी बाप से गठबंधन होगा। लेकिन अब कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार अर्जुन बामनिया को बनाया है। इसके बाद यहां से त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। बीजेपी की तरफ से महेंद्रजीत सिंह मालवीय और बाप की ओर से राजकुमार रोत चुनाव मैदान में है। ऐसे में इस लोक सभा सीट पर काफी रोचक और त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। रही थी। इस दौरान दिल्ली में बीती रात भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन को लेकर अंतिम वार्ता विफल रही। इस सीट पर कांग्रेस की सहमति नहीं बन पाई। इसके कारण कांग्रेस ने लोकसभा सीट के लिए बांसवाडा विधायक अर्जुन सिंह बामनिया को टिकट दिया है। हालांकि, चर्चा यह भी है कि कांग्रेस एक उम्मीदवार को डमी कैंडिडेट के तौर पर उम्मीदवार उतार सकती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

उत्साही और समर्पित छात्रों का अभाव!

भारत में नए शैक्षिक सत्र शुरू हो रहे हैं। लाखों छात्र बोर्ड परीक्षाओं में सफल होकर नए कक्षाओं में प्रवेश लेंगे। इनमे से कई नए-नए कोर्सों से जुड़कर स्किल की पढ़ाई में पारंगत होने की कोशिश करेंगे। फिर वह रोजगार की तलाश में उतरेंगे। उनमें से कुछ को काम मिलेगा कुछ को काम की तलाश ही रहेगी। सरकारों को चाहिए कि ऐसी शिक्षा प्रणाली लाए ताकि किसी को काम की कमी न होने पाए। अगर बेरोजगारी बनी रहेगी तो देश में युवा कुंठित होगा इससे वह अन्य ऐसे कार्य में लिप्त होगा जो देशहित में ठीक नहीं होगा। आज शिक्षा संस्थानों के परिसर तो बड़े-बड़े बन गए लेकिन उसमें उत्साही और समर्पित छात्रों का अभाव है। उन्हें लगता है कि जो पाठ्यक्रम नयी शिक्षा के नाम पर उन्हें दिए जा रहे हैं, वे आज भी उतने व्यावहारिक नहीं। लेकिन देश अपनी पुरातन संस्कृति की ओर भी देख रहा है। अपने बीते इतिहास में भी उजले बिंदुओं की तलाश कर रहा है और देश की नई युवा पीढ़ी को केवल विदेशी चकाचौंध ही नहीं बल्कि भारतीयता की नई और विस्तृत भावभूमि पर भी खड़ा कर देना चाहता है। जो कि सदियों से इस देश के नौजवानों को समर्थ बनाती रही है।

इस विषय में शिक्षा के नियंताओं द्वारा स्कूली शिक्षा व उच्च शिक्षा तक बड़ी पहल की गई है। बहुत दिनों से जिस प्राचीन ज्ञान को अव्यावहारिक मानकर भुला दिया गया था, उसमें से भी ज्ञान के मोती तलाशकर नौजवानों को उपहार देने का मन बना लिया गया है। फैसला किया गया है कि आज बदलते माहौल में शिक्षा के नये मॉडलों में प्रत्येक विषय या कोर्स में भारतीय ज्ञान की उस सफलता को मिश्रित किया जाए जो कि न सिर्फ देश में नई पीढ़ी को भारतीय होने का अर्थ समझाए, उसे गर्व दे बल्कि उसे अपने ज्ञान की दुनिया में एक नई मौलिक पहचान भी दिला दे। जाहिर है इसकी वापसी में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए उन्हें अपने उन वाचनालयों की गहराइयों में डूब जाने का संदेश होना चाहिए, जहां यह शिक्षा उनसे संवाद करने के लिए तैयार है। यूजीसी ने अहम पहल कर दी है। उधर भले ही बहुभाषी संस्कृति का स्वागत करने के लिए कहा जा रहा है लेकिन क्षेत्रीय भाषायी कट्टरता उसके आड़े आ रही है। फिर भी हर दिन यूजीसी द्वारा ज्ञान के नये विस्तार के लिये नये द्वार खोलने का प्रयास होता है। वहीं अब छात्रों को भी इस ओर ध्यान देना होगा कि सिर्फ किताबी ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। उन्हें अपने अंदर शिक्षा के साथ-साथ कुशलता भी लानी होगी ताकि इस स्किल के सहारे वह काम प्राप्त करके बेरोजगारी की समस्या से निजात पा सकें। सरकारों को भी आइना दिखा सकें।

आज शिक्षा संस्थानों के परिसर तो बड़े-बड़े बन गए लेकिन उसमें उत्साही और समर्पित छात्रों का अभाव है। उन्हें लगता है कि जो पाठ्यक्रम नयी शिक्षा के नाम पर उन्हें दिए जा रहे हैं, वे आज भी उतने व्यावहारिक नहीं। लेकिन देश अपनी पुरातन संस्कृति की ओर भी देख रहा है। अपने बीते इतिहास में भी उजले बिंदुओं की तलाश कर रहा है और देश की नई युवा पीढ़ी को केवल विदेशी चकाचौंध ही नहीं बल्कि भारतीयता की नई और विस्तृत भावभूमि पर भी खड़ा कर देना चाहता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कुएं बचाने से ही बच पायेगा जीवन

पंकज चतुर्वेदी

अभी गर्मी शुरू ही हुई है, इसके बावजूद बुंदेलखंड के बड़े शहरों में से एक छतरपुर के हर मोहल्ले में पानी की त्राहि-त्राहि शुरू हो गई है। तीन लाख से अधिक आबादी वाले इस शहर में सरकार की तरफ से लगाए गए कोई 2100 हैंडपंपों में से अधिकांश या तो हांफ रहे हैं या सूख गए हैं। ग्रामीण अंचलों में भी हर बार की ही तरह हैंडपंप से कम पानी आने की शिकायत आ रही है। पानी की कमी के चलते छुट्टा मवेशियों की समस्या रबी की फसल के लिए खतरा बन गई है। सारे देश में बरसात के बीत जाने के बाद पानी की त्राहि-त्राहि अब सामान्य बात हो गई है। हताश जनता को जमीन की छाती चीर कर पानी निकालने या बड़े बांध के सपने दिखाये तो जाते हैं लेकिन जमीन पर कहीं पानी दिखता नहीं। आखिर नदियों में भी तो प्रवाह घट ही रहा है। आने वाले साल मौसमी बदलाव की मार के कारण और अधिक तपेंगे और पानी की मांग बढ़ेगी। ऐसे में हमारे पारंपरिक कुएं ही मानव-अस्तित्व को बचा सकते हैं।

हमारे आदि-समाज ने कभी बड़ी नदियों को छेड़ा नहीं, वे बड़ी नदी को अविरल बहने देते थे। साल के किसी बड़े पर्व-त्योहार पर वहां एकत्र होते बस। खेत-मवेशी के लिए या तो छोटी नदी या फिर तालाब-झील। घर की जरूरत जैसे पीने और रसोई के लिए या तो आंगन में या फिर बसाहट के बीच का कुआं काम करता था। यदि एक बाल्टी की जरूरत है तो इंसान मेहनत से एक ही खींचता था। किफायत से खर्च करता। अब की तरह नहीं कि बिजली की मोटर से एक गिलास पानी की जरूरत के लिए दो बाल्टी पानी बर्बाद कर दिया जाए।

पंजाब की प्यास भी बड़ी गहरी है। पांच नदियों के संगम से बना यह समृद्ध राज्य खेती के लिए अंधाधुंध भूजल दोहन के कारण पूरी तरह 'डार्क जोन' में है। यहां 150 में से 117 ब्लॉक में भूजल लगभग सिमट चुका है। कुछ साल पहले पलट कर देखें तो पाएंगे कि इस राज्य को खुश और हराभरा बनाने वाले दो लाख कुएं थे। जो अब बंद पड़े हैं। गुरु की नगरी अमृतसर में ही 1200 कुएं हुआ करते थे।

इस शहर में पाइप से पानी घर तक भेजने का काम सन 1886 में शुरू हुआ था और तब शहर की प्यास बुझाने का जिम्मा 1200 कुओं पर था। जो अब या तो लुप्त हो गए या बेपानी हैं। भारत के लोक जीवन में परंपरा रही है कि घर में

बच्चे का जन्म हो या फिर नई दुल्हन आए, घर-मोहल्ले के कुएं की पूजा की जाती है- जिस इलाके में जल की कीमत जान से ज्यादा हो वहां अपने घर के इस्तेमाल का पानी उगाहने वाले कुएं को मान देना तो बनता ही है। बीते तीन दशकों के दौरान भले ही प्यास बड़ी हो, लेकिन सरकारी व्यवस्था ने घर में नल या नलकूप का ऐसा प्रकोप बरपाया कि पुरखों की परंपरा के निशान कुएं गुम होने लगे। अब कुओं की जगह हैंडपंप पूज कर ही परंपरा पूरी कर ली जाती है। वास्तव में हर नए जीवन को सीखना होता था कि आंगन का कुआं ही जीवन का सार है। समझना होगा कि असली समस्या कम बरसात या तीखी गर्मी नहीं है, वह तो यहां सदियों, पीढ़ियों से होता रहा है। पहले यहां के बाशिंदे कम पानी में जीवन जीना जानते थे। आधुनिकता की अंधी आंधी में पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र नष्ट हो गए और उनकी जगह सूखा और सरकारी राहत जैसे शब्दों और नैसर्गिक जल साधनों के अधिक से अधिक शोषण की नीतियों ने ले ली। बड़े करीने से यहां के आदि-समाज ने बूंदों को बचाना सीखा था। दो तरह के तालाब- एक केवल पीने के लिए, दूसरे केवल मवेशी व सिंचाई के। पहाड़ की गोदी में बस्ती और पहाड़ की तलहटी में तालाब। तालाब के इर्दगिर्द कुएं ताकि समाज को जितनी जरूरत हो, उतना पानी ले। पिछले साल ही संसद में बताया गया कि छठवें लघु सिंचाई गणना के आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी भी 82 लाख 78 हजार 425 कुएं बकाया हैं। इनमें सबसे अधिक 27 लाख 49 हजार 88 उस महाराष्ट्र में हैं जहां किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा सर्वाधिक है। उसके बाद उस मध्य प्रदेश में 13 लाख 36 हजार 682 कुओं की चर्चा अकारण होगी जहां प्यास और पलायन के कारण बदनाम बुंदेलखंड है। तमिलनाडु में इससे अधिक 15 लाख 77 हजार 198 कुएं हैं लेकिन आज भी इस राज्य में ऐरी पद्धति के चलते दूरस्थ अंचल तक तालाब-कुओं का प्रबंधन बेहतर है। दुर्भाग्य है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में महज 85224 कुओं का रिकार्ड मिल पाया। अकेले लखनऊ में 12653 कुओं व तालाब का रिकार्ड तो सरकारी फाइल में ही है। यदि बुंदेलखंड में ही देखें तो आज भी कुओं के नाम पर सार्वजनिक नल-जल योजनाएं चल रही हैं। कुओं का रखरखाव कम खर्चीला है। कुओं के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन से धरती को गर्म नहीं करते। कुओं को थोंड़ी-सी बरसात होने पर भी हर बूंद को एकत्र करने का पात्र बनाना बहुत सरल होता है।

अंतरिक्ष मिशनों हेतु खतरा है उपग्रही कचरा

मुकुल व्यास

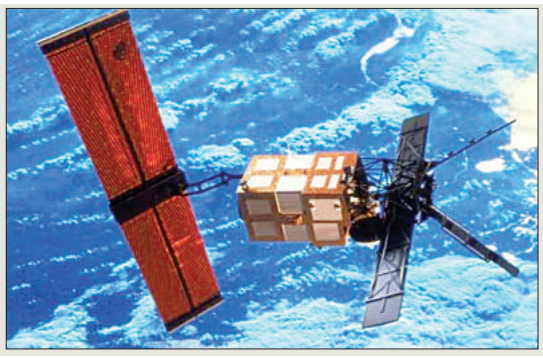

पृथ्वी के वायुमंडल और उसकी जलवायु का नये ढंग से अध्ययन करने वाला यूरोपीय स्पेस एजेंसी का निष्क्रिय और बेकाबू ईआरएस-2 उपग्रह पिछले बुधवार को पृथ्वी के वायुमंडल में लौट आया। लेकिन वैज्ञानिक इस बारे में निश्चित नहीं थे कि दशकों पुराने इस अंतरिक्ष यान के अवशेष वास्तव में कहां और कब गिरेंगे। उपग्रह के पृथ्वी पर गिरने की खबर पृथ्वीवासियों को झकझोर सकती है। लेकिन इस घटना से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। करीब ढाई टन वजनी ईआरएस-2 उपग्रह को वर्ष 1995 में अंतरिक्ष में लांच किया गया था और वर्ष 2011 में उसने अपना आखिरी मिशन पूरा किया था। तब से यह उपकरण पृथ्वी की कक्षा में अंतरिक्ष कबाड़ के रूप में बना हुआ था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि उसने उपग्रह को 15 वर्षों के भीतर किसी समय पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाने के लिए शुरू में कुछ अभ्यास किए थे। वह दिन आखिरकार बुधवार को आ ही गया जब उपग्रह ने अलास्का और हवाई के बीच प्रशांत महासागर के ऊपर पुन: प्रवेश किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईआरएस-2 जैसे अधिकांश उपग्रह वायुमंडल में प्रवेश करते ही टूट जाते हैं और पूरी तरह से विघटित हो जाते हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह अनुमान लगाना मुश्किल होता है कि उपग्रह पृथ्वी के वायुमंडल में कहां पुन: प्रवेश करेगा क्योंकि हवा के घनत्व का पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है, जहां से उपग्रह गुजरता है। वैसे ईआरएस-2 जैसी बड़ी वस्तुओं को ट्रैक किया जाता है, लेकिन वायुमंडलीय घनत्व में भिन्नता से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कोई वस्तु वास्तव में कहां दोबारा प्रवेश करेगी। ईआरएस-2 की पुन: प्रविष्टि अनियंत्रित थी। उसमें लंबे समय से ईंधन खत्म हो चुका था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार जो भी टुकड़े वायुमंडल में नहीं जले, वे सैकड़ों किलोमीटर की दूरी में बेतरतीब ढंग से फैल जाएंगे।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि जहां तक वह बता सकती है, ईआरएस-2 के पुन: प्रवेश के बाद संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी व्यक्ति का अंतरिक्ष कबाड़ के टुकड़े की चपेट में आना पूरी तरह से असंभावित नहीं है। पृथ्वी का अधिकांश भाग महासागरों से ढका हुआ है। ये वस्तुएं आमतौर पर महासागरों के ऊपर गिरती हैं, जिससे मनुष्यों को खतरा थोड़ा कम होता है। छोटे उपग्रह हर समय पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश करते हैं और वे बहुत कम ही कोई समस्या पैदा करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, गिरने वाली वस्तु की घटनाएं और अधिक हो जाएंगी। ये वस्तुएं पुन: प्रवेश करने पर जल जाती हैं जिससे वायुमंडलीय प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ती है। किसी व्यक्ति पर या किसी आबादी वाले क्षेत्र के पास अंतरिक्ष यान से छोटी वस्तुओं के गिरने की पिछली घटनाओं में से किसी ने भी किसी की जान नहीं ली है। आमतौर पर मामूली चोट से ज्यादा कुछ नहीं हुआ है। आबादी वाले क्षेत्रों के पास अंतरिक्ष मलबे के पाए जाने के कई मामले भी हैं जिनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल नासा का एक वैज्ञानिक उपग्रह 40 साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करने के बाद अलास्का के तट के पास गिर गया था।

लेकिन इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल रूस का भी एक उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में विखंडित हो गया था। इससे मलबे का जो गुबार पैदा हुआ वह लंबे समय तक कक्षा में बना रहेगा। इस विखंडन से उत्पन्न कम से कम 85 टुकड़ों को ट्रैक किया जा सकता है। चीन के उपग्रहों और रॉकेटों के टूटने बिखरने और पृथ्वी पर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। हर साल 200-400 वस्तुएं पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती हैं। सौभाग्य से पृथ्वी की आबादी इन गिरने वाली वस्तुओं से प्रभावित नहीं होती। हर साल एक उपग्रह दूसरे उपग्रहों या अंतरिक्ष मलबे से टकरा कर नष्ट हो जाता है। आज अंतरिक्ष में जमा हो चुका कचरा विकराल समस्या बन चुका है। अंतरिक्ष का कचरा पृथ्वी पर रोजमर्रा के जीवन को ठप कर सकता है। आज हम उपग्रहों पर जितने निर्भर हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। चाहे टेलीविजन के सिग्नल हों या मौसम की रिपोर्ट, हमें उपग्रहों की ही मदद लेनी पड़ती है। हमारे जीपीएस सिस्टम उपग्रहों के बगैर काम नहीं कर सकते। अंतरिक्ष के कचरे में पुराने उपग्रहों के कलपुर्जों के अलावा ऐसे उपग्रह भी शामिल हैं जो पुराने पड़ चुके हैं और जिन्होंने अब काम करना बंद कर दिया है। कचरे के टुकड़ों में नट और बोल्ट भी शामिल हैं जो अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक के दौरान गुम हो गए थे। अंतरिक्ष में कचरे की बढ़ती हुई मात्रा से किसी न किसी बिंदु पर कोई बड़ी टक्कर हो सकती है।

अंतरिक्ष में उपग्रहों के बीच टक्कर का एक नजारा दुनिया ने फरवरी, 2009 में देखा था,जब एक बेकार रूसी उपग्रह और एक अमेरिकी दूरसंचार उपग्रह आपस में टकरा गए थे। यदि कचरे के दो बड़े टुकड़े आपस में टकराते हैं तो वे अंतरिक्ष में हजारों छोटे-छोटे टुकड़े बिखेर देंगे। सैद्धांतिक तौर पर ये सारे टुकड़े 'सैटेलाइट किलर' हो सकते हैं। ये टुकड़े दूसरे ग्रहों अथवा उपग्रहों से टकरा कर नया मलबा उत्पन्न कर सकते हैं। यदि अंतरिक्ष में टुकड़ों के बीच टक्कर से कोई चेन रिएक्शन शुरू होता है तो इससे न सिर्फ पृथ्वी के दूरसंचार और जीपीएस सिस्टम ध्वस्त हो जाएंगे, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। अंतरिक्ष में कचरा जमा होने की वर्तमान दर जारी रही तो पृथ्वी से नए अंतरिक्षयान छोड़ना भी मुश्किल हो जाएगा।

सामग्री

300 ग्राम सेवई बनारसी, 200 ग्राम खोया, 2 बड़े चम्मच घी, 2 से 3 बड़े चम्मच बादाम, 2 से 3 बड़े चम्मच काजू, 2 से 3 बड़े चम्मच किशमिश, 2 से 3 बड़े चम्मच नारियल, 3 कप पानी, 2 कप चीनी, एक छोटा चम्मच इलायची, 1 छोटा चम्मच केवड़ा, खाने वाला रंग।

ईद पर बनाएं स्वादिष्ट सेवई

ईद अल फितर इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है और कोई भी त्योहार बिना पकवानों के अधूरा है। ईद के मौके पर दोस्त, करीबी और रिश्तेदार एक दूसरे के घर जाते हैं। ईद की मुबारकबाद देते हैं। ऐसे में मेहमानों के लिए ईद पर कई तरह के व्यंजन पकाए जाते हैं। वैसे तो ईद पर लजीज पकवानों की भरमार होती है लेकिन एक ऐसा व्यंजन है, जो पारंपरिक तौर पर ईद के मौके पर हर जगह बनता है। यह पकवान सेवई हैं, जिसके बिना ईद अधूरी है और इस पर्व का जिक्र होते ही सबसे पहले सेवई का स्वाद मुंह में आने लगता है। ईद की सेवई से कई तरह के व्यंजन बनते हैं, जैसे सेवई की खीर, सेवई का जर्दा, और दूध वाली सेवई। ईद की सेवई में किमामी सेवइयां भी काफी लोकप्रिय है। इसे बनाना बेहद आसान है।

विधि

सबसे पहले एक पैन में तीन कप पानी डालें। इसमें दो कप चीनी और एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक छोटा चम्मच केवड़ा और खाने वाला रंग डालकर पकाएं। इसे तब तक चलाते रहें, जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाएं। हालांकि ध्यान रखें कि इस मिश्रण की चाशनी नहीं बनानी है। तब तक दूसरे पैन में दो चम्मच घी डालकर उसमें बादाम, काजू, किशमिश और नारियल अच्छे से भून लें। फिर इसे अलग बर्तन में निकाल कर रख लें। इसी पैन में आधा कप घी डालकर गर्म करें और फिर सेवई डालकर फ्राई कर लें। सेवई को तब तक चलाते रहें जब तक इसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए। इस भुनी हुई सेवई में चाशनी डालकर ऊपर से ड्राई फ्रूट्स और खोया को कद्दूकस करके मिलाएं। दो से तीन मिनट के लिए सेवई को ढककर पकाएं। फिर गैस बंद कर दें। 10 मिनट में सेवई चाशनी को सोख लेगी। अब सेवई सर्व करने के लिए तैयार है।

पोहा पराठा बढ़ाएगा नाश्ते का स्वाद

नाश्ते में अक्सर आप पोहा खाते होंगे। पोहा सेहत के लिए अच्छा होता है। आसानी से बन जाता है और स्वाद भी लाजवाब लगता है। लेकिन क्या कभी आपने पोहा के पराठे खाए हैं। स्टफिंग वाले पराठे की बात ही अलग होती है। चाय के साथ गर्मागर्म आलू, पनीर या प्याज के पराठे स्वादिष्ट लगते हैं। वहीं सर्दियों में तो कई और वैरायटी के स्टफ्ड पराठे खाने को मिलते हैं। दाल, हरी मटर, पालक, बथुआ, गोभी और मूली इतनी तरह के पराठे की वैरायटी सर्दियों में नाश्ते का स्वाद बढ़ाती हैं। इन सब के अलावा आप पोहा पराठा भी बना सकते हैं। पोहा पराठा नरम और लजीज बनता है। सर्दियों में चाय के साथ इसे बच्चे से लेकर बड़े तक सभी मजे में खाएंगे। इसमें पोहा की मदद से स्टफिंग की जाती है। इसके अलावा आलू और हरी मटर का भी इस्तेमाल होता है।

सामग्री

पोहा, उबली हरी मटर, उबले आलू, बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च, नमक, कसूरी मेथी, जीरा पाउटर, चाट मसाला, आटा।

विधि

पराठा बनाने के लिए सबसे पहले आलू और मटर को उबाल लें। पोहे को धोकर पानी में दो मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब पानी से पोहे को अलग करके उसे मैश कर लें। पोहे में उबले हुए आलू, मटर, आटा को मिला लें। इस मिश्रण में नमक, हरी मिर्च, कसूरी मेथी, धनिया, जीरा पाउडर, चाट मसाला डालकर अच्छे से मिला लीजिए। अब इस मिश्रण का नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण पतला लग रहा हो, तो उसमें थोड़ा गेहूं का आटा और मिलाकर अच्छी तरह से गूंथ लें। आटे की छोटी छोटी लोई बनाकर रोटी की तरह बेल लें। गैस पर नॉन स्टिक पैन या तवा गर्म करें। पोहा रोटी को उस पर हल्की आंच पर सेकें। दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से उलट पलट कर सेक लें। पोहा पराठा तैयार है। चटनी, दही के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

लड़की वाले लड़का देखने आए, लड़के वाले-आपकी लड़की का क्या नाम है, लड़की वाले-हमारी प्यारी, सबकी प्यारी, रामप्यारी, लड़की वाले-आपके लड़के का क्या नाम है, लड़के वाले हमारा पी, आपका पी, सबका पी, पप्पू।

संता लड़की से- मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। लड़की- बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता- मेरे साथ चाय पे चलोगी? लड़की- अरे नहीं बाबा चाय गर्म होती है, मेरे हाथ पैर जल गए तो...

टीचर- आज मैं क्विज प्रतियोगिता कर रही हूं सभी बच्चे जल्दी-जल्दी जबाब देना, टीचर- बताओं मधुमक्खी हमें क्या देती है, बच्चा-शहद, टीचर- पतली बकरी क्या देती है, बच्चा- दूध... टीचर- और भैंस हमें क्या देती है, बच्चा- होमवर्क, दे थप्पड़...दे थप्पड़...दे थप्पड़।

मां: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हूं मां.. मां: शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमस। फिर क्या था चप्पल के साथ ही दे थप्पड़, दे थप्पड़!

कहानी — एक घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

कहानी से सीख- हमें अपनी ताकत पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी ताकत के जोर पर दूसरों को परेशान करने की जगह उनकी मदद करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

वृषभ

राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है।

कर्क

शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह

रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

तुला

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

धनु

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा।

मकर

योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं।

कुम्भ

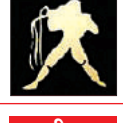

राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा।

मीन

फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

महंगे डिजाइनर कपड़ों से परहेज करती हैं मृणाल

बॉलीवुड | मसाला

सीता रामम और हाय नन्ना जैसी फिल्मों में काम कर तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अगली बार विजय देवरकोंडा के साथ फैमिली स्टार में नजर आएंगी। मृणाल अपने बेबाक बयान को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं। हाल ही में अभिनेत्री को इंडस्ट्री में होने वाले भेदभाव पर कटाक्ष करते देखा गया था। वहीं अब अभिनेत्री ने अपने आउटफिट पर खर्च किए जाने वाले पैसों का खुलासा कर हर किसी को हैरान कर दिया है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा कि उनका मानना है कि कपड़े खरीदना पूरी तरह से पैसे की बर्बादी है और उन्होंने कभी भी आउटफिट पर दो हजार रुपये से ज्यादा खर्च नहीं किए हैं। एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने खुलासा किया कि वह महंगे डिजाइनर कपड़ों पर पैसे खर्च नहीं करती हैं क्योंकि कोई उन्हें दोबारा नहीं पहनता है। इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने अपनी पहनी हुई ड्रेस पर टिप्पणी करते हुए कहा, ये मेरे कपड़े नहीं हैं। मैं एक टॉप पर अधिकतम 2000 रुपये खर्च करती हूं। मुझे लगता है कि यह भी बहुत ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा, क्योंकि जो भी चीज महंगी होती हैं, आप उसे बार-बार नहीं पहन सकते। हां, आपके वॉर्डरोब में एक क्लासिक स्टेटमेंट कलेक्शन रखना अच्छी बात है लेकिन इसके लिए एक ब्रांड पहनना पैसे की बर्बादी है। मृणाल ठाकुर ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मैं उन पैसों को भोजन, कुछ पौधों, घर या ऐसी जमीन पर निवेश करना चाहूंगी जहां मैं खेती कर सकूं। अगर मेरी अलमारी में 1000 चीजें हैं तो उनमें से पांच चीजें स्टेटमेंट चीजें होंगी। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह स्टाइलिश रहने और महंगे कपड़ों पर खर्च करने से बचने के बीच संतुलन बनाकर चलती हैं।

मृणाल ने लोगों को सुझाव देते हुए कहा, आपको स्मार्ट होना होगा और आप ऐसी किसी भी चीज में निवेश नहीं कर सकते जो चलन में है। यह चलन सिर्फ छह महीने, एक साल तक रहेगा और चला गया। काम के मोर्चे पर मृणाल ठाकुर की आगामी फिल्म फैमिली स्टार 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने निर्देशक का सच्चा गुलाम बनना चाहता हूं: मनोज बाजपेई

मनोज बाजपेयी हर तरह के किरदारों में बखूबी खुद को ढालकर दर्शकों के बीच छा जाते हैं। उन्होंने अपने अब तक के करियर में गंभीर से लेकर नाटकीय, कॉमिक और नेगेटिव किरदार बहुत शानदार से पेश किए हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म साइलेंस कैन यू हियर इट के सीक्वल साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसके बाद सीरीज को लेकर बेसब्री और बढ़ गई है। साइलेंस-2 में एक बार फिर से मनोज बाजपेयी को एसीपी अविनाश के किरदार में देखा जाने वाला है। फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को कलाकारों और क्रू के बीच मुंबई में लॉन्च किया गया था। ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक्टर से पूछा गया कि वह अपनी प्रत्येक भूमिका को इतनी कुशलता से कैसे निभाते हैं? उन्होंने इसके जवाब में कहा, मैं अपने निर्देशक का सच्चा गुलाम बनने की कोशिश करता हूं। मनोज ने आगे कहा, एक बार फिर सभी के साथ सहयोग करना बहुत अच्छा रहा। मेरे लिए उन्हीं लोगों के समूह के बीच वापस जाना मजेदार था। मैं कुछ भी एक्स्ट्रा नहीं करता, सिर्फ काम और काम की मांग पर ध्यान देता हूं और निर्देशक के निर्देशों को सुनता हूं। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक दिलचस्प यात्रा रही है। मैं सिर्फ चुप होकर सीख रहा था। किसी शो या फिल्म के दूसरे सीजन को करते समय ध्यान में रखी जाने वाली चीजों के बारे में बात करते हुए सत्या फेम एक्टर मनोज बाजपेयी ने कहा, आपको पहले वाले को फिर से देखना होगा। आखिरकार एक अंतर आ जाता है, जहां आप एक अभिनेता और एक व्यक्ति के रूप में विकसित हुए हैं, लेकिन आपके चरित्र के कुछ तत्व हैं जिन्हें आपको नहीं छोड़ना चाहिए। जब मैं दूसरे भाग की शूटिंग के लिए सेट पर था तो मैं लगातार अपने पहले किरदार के बारे में सोच रहा था। साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट अबन भरूचा देवहंस द्वारा लिखित और निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म है। इसमें मनोज के साथ प्राची देसाई और साहिल वैद जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को 16 अप्रैल, 2024 को जी 5 पर रिलीज किया जाने वाला है।

अब संगीत करियर में नया मुकाम हासिल करने जा रहे हैं आयुष्मान

आयुष्मान अपने किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने के लिए मशहूर हैं। फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में करियर शुरू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। साल 2023 में उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई थी। अब अभिनेता संगीत करियर में नया मुकाम हासिल करने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कैसे?

हाल ही में, आयुष्मान खुराना ने एक बड़े संगीत लेबल के साथ रिकॉर्ड समझौते पर डील साइन करने की खुशखबरी को अपने फैंस को दी है। बड़े म्यूजिक लेबल के साथ डील साइन करने के बाद आयुष्मान खुराना ने कहा लोगों के सामने अपना अगला गाना पेश करने के लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

आयुष्मान ने अभिनय के अलावा म्यूजिक इंडस्ट्री में भी खूब नाम कमाया है। अभिनेता ने फैंस का पानी दा रंग, नज्म नज्म, सादी गली आजा जैसे कई हिट गानों से मनोरंजन किया है। अब आयुष्मान की इस उपलब्धि से उनके फैंस बेहद खुश हैं। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। कैप्शन में लिखा, अपनी आवाज को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए देश के प्रमुख म्यूजिक लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ एक वैश्विक रिकॉर्डिंग डील साइन की है। इस खास मौके पर आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं हमेशा कुछ नया करने जैसी सोच रखने वालों के साथ मिलकर काम करना चाहता हूं। मैं अपने म्यूजिक को दुनियाभर के दर्शकों तक ले जाना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ, मैं आगे बढ़ पाऊंगा। मैं लोगों को अपना अगला गाना सुनाने के उत्साहित हूं। यह कुछ नया होगा, जो लोगों ने पहले कभी नहीं सुना होगा।

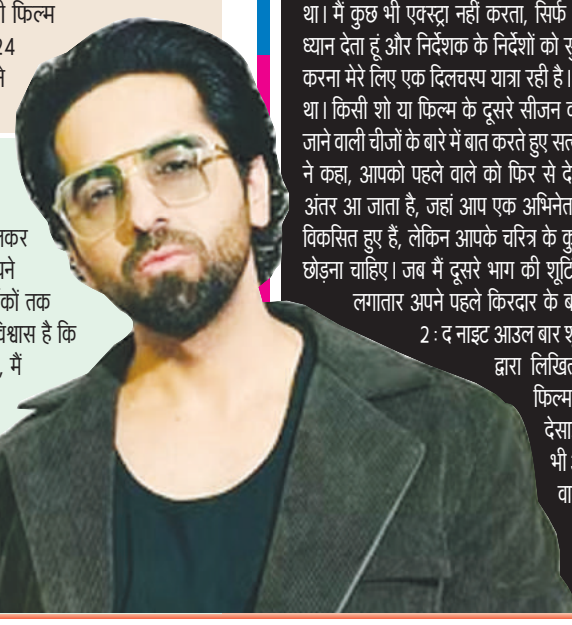

दो राज्यों में बना है 10 कमरे का यह घर छह राजस्थान में तो चार हैं हरियाणा में

दुनिया में कई तरह के अनोखे घर बने हैं। कोई अजीबोगरीब डिजाइन की वजह से चर्चा में रहता है तो कोई किसी और वजह से। अभी तक आपने दुनिया के अनोखे बॉर्डर देखे होंगे। जहां एक कदम बढ़ाते ही लोग अलग देश में चले जाते हैं। लेकिन इन दिनों भारत के राजस्थान और हरियाणा के बीच बना एक घर काफी चर्चा में है।

दरअसल, ये घर दोनों ही राज्यों के अंदर आता है। इसके कुछ कमरे राजस्थान में हैं तो कुछ हरियाणा में। हम बात कर रहे हैं राजस्थान के भिवाड़ी अलवर के बाईपास और हरियाणा के रेवाड़ी के धारूहेड़ा में बने एक अनोखे घर के बारे में। इस घर में कुल दस कमरे हैं। इसके छह कमरे राजस्थान में हैं लेकिन चार हरियाणा में हैं। इतना ही नहीं, अगर आप इस घर के बाहर खड़े हैं तो आप राजस्थान में हैं लेकिन जैसे ही घर के अंदर जायेंगे, आप दूसरे राज्य हरियाणा पहुंच जाएंगे। यानी दो राज्यों का सफर आप बिना बस-ट्रेन की मदद के पूरा कर सकते हैं। कई साल पहले चौधरी टेकराम दायमा ने इस घर की नींव रखी थी। दो राज्यों के बॉर्डर पर मौजूद जमीन पर ये आलीशान घर बनाया गया था। आज इस घर में दो भाई रहते हैं। दोनों ने अपने कमरों के हिसाब से घर के पेपर्स बनवाए हुए हैं। एक भाई घर के जिस हिस्से में रहता है, उसके एड्रेस में राजस्थान लिखता है तो दूसरा भाई एड्रेस में हरियाणा लिखता है। इतना ही नहीं कमरों में आने वाले बिजली के कनेक्शन भी अलग-अलग राज्यों के हैं। ये घर कई सालों से बना हुआ है। लेकिन हाल ही में इस घर की चर्चा शुरू हो गई। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से इलाके में तेंदुए ने कोहराम मचाया हुआ है। ऐसे में खुले में घूम रहा तेंदुआ इस घर में घुस आया। रेस्क्यू टीम ने घर में आकर तेंदुए को पकड़ा। सबसे मजेदार बात ये रही कि तेंदुए को पकड़ने के लिए दोनों राज्यों के वन विभाग के अधिकारी पहुंचे। दोनों ने मिलकर तेंदुए को पकड़ने में सफलता हासिल की।

अजब-गजब | 90 फीसदी लोगों को नहीं होगा पता!

क्या है BMW का पूरा नाम इसके लोगों को लेकर छिपा है राज

जब गाड़ियों की बात आती है तो BMW का नाम लिस्ट में ऊपर के नामों के बीच ही शामिल होता है। इस कंपनी की गाड़ियां काफी पॉपुलर और महंगी होती हैं जिसे अमीर लोग ही अफोर्ड कर पाते हैं। इसका लोगो भी बेहद यूनीक होता है। एक होगा, जिसमें दो रंग के चार खाने और उसके ऊपर लिखा होता है BMW। पर इस लोगो का क्या अर्थ है, और इस कंपनी का फुल फॉर्म क्या है? (Full form of BMW) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर लोग इसके बारे में सवाल करते हैं, तो हमने सोचा कि आपको बता दिया जाए। हमारा दावा है कि 90 फीसदी लोगों को इसके बारे में नहीं पता होगा!

बीएमडब्लू की वेबसाइट के अनुसार ***BMW*** का फुल फॉर्म है Bayerische Motoren Werke GmbH जिसे अंग्रेजी में Bavarian Engine Works Company कहा जाता है। इसका ये नाम इस वजह से पड़ा क्योंकि ये कंपनी जर्मनी के राज्य बेवेरिया में स्थापित हुई थी। इस नाम से आप बीएमडब्लू के ओरिजनल प्रोडक्ट

रेंज के बारे में भी जान सकते हैं, जो अलग-अलग मशीनों के लिए इंजन बनाना था। सबसे पहले ये कंपनी Rapp-Motorenwerke Gmb॥ थी जो 1913 में प्लेन के इंजन बनाया करती थी।

अब आते हैं इस लोगो के छुपे हुए राज के बारे में। जैसा हमने ऊपर बताया कि पहले कंपनी प्लेन के इंजन बनाया करती थी, तो काफी वक्त तक लोग ये मानते रहे कि इसके लोगो में जो चार लकीरें हैं, वो असल में प्लेन का प्रोपेलर, यानी पंखा है जो आगे लगा रहता है। ये कंपनी के पुराने नाम को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा लोगो बनाया गया था। नीला रंग आसमान को दर्शाता है। ऐसे में आसमान में उड़ते प्लेन को ये लोगो दर्शाता है। पर बीएमडब्लू की वेबसाइट पर इसका कुछ और ही अर्थ है, जिसे आप सही और विश्वसनीय मान सकते हैं। बीएमडब्लू लोगो में सफेद और नीला रंग है, जर्मनी के बेवारिया राज्य का रंग है, जहां इस कंपनी स्थापना हुई थी। 1929 में बीएमडब्लू का एक विज्ञापन आया था, जिसमें इस लोगो को प्लेन के प्रोपेलर के अंदर बना दिखाया गया था, बस वहीं से ही प्लेन के प्रोपेलर वाली अफवाह फैलने लगी। हालांकि, कई विज्ञापनों में पंखियों के ऊपर बीएमडब्लू लिखा दिखने लगा तो लोग उसे पंख ही समझने लगे। इससे कंपनी की पॉपुलैरिटी बढ़ रही थी तो कंपनी के मालिकों ने इस अफवाह को खारिज करना भी ठीक नहीं समझा। आज तक ये अफवाह सच मानी जा रही है, पर ये पूरी तरह सच नहीं है। मगर अब कंपनी को भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

भाजपा को झूठ फैलाने की हो गई है आदत : सुरजेवाला

बोले- बीजेपी आईटी प्रकोष्ठ वीडियोज में करती है काट-छांट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ को तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और झूठ फैलाने की आदत हो गई है। उन्होंने कहा कि उनका इरादा न तो हेमा मालिनी का अपमान करना था और न ही किसी को ठेस पहुंचाना।

ज्ञात हो कि भाजपा ने कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला पर अभिनेता-नेता हेमा मालिनी के खिलाफ घृणित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यह दर्शाता है कि मुख्य विपक्षी दल महिला से द्वेष करने वाला है और महिलाओं से घृणा करता है। सूत्रों ने कहा कि सुरजेवाला ने 31 मार्च को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कैथल जिले के फरल गांव में विपक्षी इंडिया गठबंधन के समर्थन में एक चुनावी रैली के दौरान कथित टिप्पणी की थी। इस बीच, सुरजेवाला ने

अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा पर जवाबी हमला बोला। बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट में सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि भाजपा की आईटी सेल को काट-छांट, तोड़-मरोड़, फर्जी-झूठी बातें फैलाने की आदत पड़ गई है, ताकि वह हर रोज मोदी सरकार की युवा-विरोधी, किसान-विरोधी, गरीब-विरोधी नीतियों तथा विफलताओं एवं भारत के संविधान को खत्म करने की साजिश से देश का ध्यान भटका सके।

प्रधानमंत्री की टिप्पणियों पर भी तो पूछताछ हो

सुरजेवाला ने कहा, पूरा वीडियो सुनिए - मैंने कहा हम तो हेमा मालिनी जी का भी बहुत सम्मान करते है, क्योंकि उनकी शादी धर्मेंद्र जी से हुई है, वह बहू है हमारी। उन्होंने आगे लिखा, भाजपा के महिला-विरोधी प्यादो को ये वीडियो काटने का आदेश तो मिला, पर इन्ही प्यादो ने प्रधानमंत्री से कभी यह नही पूछा कि उन्होने हिमाचल मे 50 करोड़ की गार्ल फ्रेंड क्यो कहा? संसद मे एक महिला सदस्य को शूर्पणखा की संज्ञा क्यो दी? एक महिला मुख्यमंत्री को भद्दी तरह से ट्रोल क्यो किया? क्या कांग्रेस की विधवा कहना सही है? क्या कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को जर्सी गाय कहना सही है? सुरजेवाला ने कहा, मेरा बयान केवल इतना था कि सार्वजनिक जीवन मे सभी की जनता के प्रति जवाबदेही तय होनी चाहिए, चाहे वह नायब सैनी जी हो, या खट्टर जी या मै खुद। उन्होने आरोप लगाया, सब अपने काम के दम पर बनते-बिगड़ते है, जनता सर्वोपरि है, और चुनाव मे उसे अपने विवेक का इस्तेमाल करके चुनाव करना होता है। न तो मेरी मंशा हेमामालिनी जी के अपमान की थी और न ही किसी को आहत करने की...भाजपा खुद महिला-विरोधी है, इसीलिए वह हर कुछ महिला-विरोध के चश्मे से देखती-समझती है, और अपनी सहूलियत के अनुसार झूठ फैलाती है।

महिला आयोग ने सुरजेवाला को नोटिस जारी किया

हरियाणा राज्य महिला आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अशोभनीय टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को नोटिस जारी किया। आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा कि सुरजेवाला को नौ अप्रैल को आयोग के सामने पेश होकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। आयोग ने मीडिया मे आई खबरो पर स्वतः संज्ञान लिया और नोटिस जारी किया। इसमे कहा गया है कि उनकी कथित अभद्र टिप्पणी से एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंची है।

मोदी का मतलब मास्टर ऑफ डिजिटल इन्फॉर्मेशन : अनुराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार और घोटालों को लेकर पिछली यूपीए सरकार की आलोचना की। आईटी पेशेवरों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, आईटी का मतलब इंडिया टुमॉरो है और भारत के लिए कल का लक्ष्य क्या है? लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित भारत के रूप में विकसित करना है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि 10 साल पहले हमारे देश के लोगों को कांग्रेस और उसके सहयोगी गठबंधन के चंगुल से खुद को मुक्त करने के बारे में सोचना भी मुश्किल था. कांग्रेस राज में एक के बाद एक घोटाले हो रहे थे। यूपीए सरकार के दौरान हुए अनेकों घोटालों का जिक्र करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमारी याददाश्त कमजोर होने की वजह से हम कभी-कभी भूल जाते हैं, खासकर 18 से 22 साल की उम्र के लोग यह भूल गए हैं, क्यों कि कांग्रेस के घोटालों के समय उनकी उम्र सिर्फ 8 और 10 साल थी।

मानसिक संतुलन खो बैठे हैं पीएम मोदी : शिवानंद तिवारी

बोले- राजद ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का कभी विरोध नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस आरोप पर हैरानी जताई कि उनकी पार्टी ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के राजनीतिक गुरु कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का विरोध किया था। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा, प्रधानमंत्री का एक और झूठा दावा यह था कि हमने राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। हमने हमेशा अयोध्या में विवादित स्थल को अवैध रूप से तोड़ने की आलोचना की है।

तिवारी ने आरोप लगाया, ऐसा जान पड़ता है कि प्रधानमंत्री ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। वह 10 साल से सत्ता में हैं और ऐसा लगता है कि उनकी कोई उपलब्धि नहीं है। उनका लगभग पूरा भाषण अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ लोगों को भड़काने की ओर रहा। प्रधानमंत्री ने बिहार के जमुई जिले में एक रैली में राजद और उसकी सहयोगी कांग्रेस पर यह आरोप

लगाया था। मोदी ने रैली में कहा था, कांग्रेस-राजद गठबंधन ने हर मौके पर बिहार के गौरव को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर का अपमान किया क्योंकि जब हमारी सरकार ने हाल में कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो इन दलों ने इसका विरोध किया। मोदी की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ठाकुर को करीब से जानने वाले वरिष्ठ समाजवादी नेता तिवारी ने कहा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को भारत रत्न देने का विरोध करना राजद के लिए संभव नहीं है। उन्होंने कहा, दरअसल, हमारी पार्टी दिवंगत नेता के लिए सर्वाच्च नागरिक सम्मान की मांग करती रही है, जिन्हें लालू प्रसाद हमेशा उच्च सम्मान देते रहे हैं। राजद अध्यक्ष अक्सर याद करते हैं कि जब बीमार होने पर ठाकुर का सिर उनकी गोद में था तब उनके गुरु ने अंतिम सांस ली थी।

केंद्र में भाजपा फिर आई तो झारखंड को पिछड़ेपन की ओर धकेल देगी : कल्पना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हजारीबाग। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर भाजपा केंद्र में सत्ता में फिर आई तो राज्य को पिछड़ेपन की ओर धकेल देगी। कल्पना सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

कल्पना सोरेन ने जनसभा में कहा, केंद्र की जो तानाशाही ताकत आपके सामने है, उसने झारखंड को सौतेला बेटा बना दिया है। अगर भाजपा एक बार फिर से केंद्र में सत्ता में आई और आप ने यहां से भाजपा नेताओं को जिताया तो यह (भाजपा) झारखंड को और पिछड़ेपन की ओर धकेल देगी। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि वह कुछ अपरिहार्य कारणों से हजारीबाग में झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग नहीं ले सके। चंपई सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुछ अपरिहार्य कारणों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं आपके साथ नहीं

बीजेपी नहीं चाहती राज्य का आत्मसम्मान बढ़े

कल्पना आरोप लगाया कि भाजपा को झारखंड पसंद नहीं है और वह राज्य के लोगों से नफरत करती है। झामुमो नेता ने दावा किया, उन्हें यह पसंद नहीं कि हम उनसे आत्मसम्मान के साथ आंखों में आंखें डालकर बात करें। उन्हें यह पसंद नहीं है कि झारखंड से कोई भी छात्र पढ़ाई के लिए विदेश जाए। उन्होंने लोगों से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों का समर्थन करने का आग्रह किया ताकि झारखंड उसी तरह प्रगति कर सके जिस तरह से वह अब बढ़ रहा है।

हूं, लेकिन मैं भले ही वहां नहीं हूं, लेकिन हर पल आपके साथ हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि हजारीबाग झारखंड राज्य आंदोलन के समय से ही झामुमो का गढ़ रहा है।

शशांक ने दिया गुजरात को झटका, टाइटंस की हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से मात दी। गुजरात टाइटसं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए। जिसके जवाब में पंजाब ने खराब शुरुआत की लेकिन शशांक सिंह की अर्धशतकीय पारी से टीम ने ये मुकाबला जीत लिया।

आईपीएल 2024 का 17वां मुकाबला गुजरात और पंजाब के बीच खेला गया। जहां पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से मात दी। जिसके जवाब में पंजाब ने खराब शुरुआत की लेकिन शशांक सिंह की अर्धशतकीय पारी से टीम ने ये मुकाबला जीत लिया। टाइटंस के 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम नूर अहमद (32 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने 13वें ओवर में 111 रन तक पांच विकेट गंवाकर संकट में थी लेकिन शशांक ने 29 गेंद में छह चौकों और

चार छक्कों से नाबाद 61 रन की पारी खेलकर टीम को एक गेंद शेष रहते

गिल ने बनाए थे नाबाद 89 रन

शशांक ने जितेश शर्मा (आठ गेंद में दो छक्कों से 16 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 39 और आशुतोष शर्मा (17 गेंद में तीन छक्के और एक चौके से 31 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करके पंजाब की जीत सुनिश्चित की। पंजाब के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 48 गेंद में चार छक्कों और छह चौकों से नाबाद 89 रन की पारी खेली।

सात विकेट पर 200 रन के विजयी स्कोर तक पहुंचा दिया। पंजाब ने पावर प्ले में दो विकेट पर 54 रन बनाए। प्रभसिमरन भी इसके बाद बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में नूर की गेंद पर शॉर्ट थर्ड मैन पर मोहित शर्मा (38 रन पर एक विकेट) को बेहद आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 24 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा। सैम कुरेन (05) भी उमरजई की गेंद को शॉर्ट मिडविकेट पर विलियमसन के हाथों में खेल गए जिससे टीम का स्कोर चार विकेट पर 70 रन हो गया। धवन ने टॉस जीतकर टाइटंस को बल्लेबाजी का न्योता दिया। गिल ने बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार (33 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में छक्के से खाता खोला। रिद्धिमान साहा (11) ने कागिसो रबादा पर चौका मारा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की अगली गेंद पर मिड ऑफ पर धवन को कैच दे बैठे।

लोग अब सत्ता परिवर्तन चाहते हैं : सुप्रिया सुले

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं महंगाई से तंग आ चुकी है जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि देश में लोग बदलाव चाहते हैं, क्योंकि वे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई से आजिज हो चुके हैं। सुले ने वर्तमान सरकार पर महिला एवं किसान विरोधी होने का आरोप लगाया। वह तीन बार की सांसद एवं राकांपा के संस्थापक शरद पवार की बेटी हैं।

उन्हें पार्टी ने महाराष्ट्र के पुणे जिले में बारामती लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला अपनी भाभी तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से है।

बारामती में चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। मतों की गिनती चार जून को होगी। सुले ने बिजली की दरों में वृद्धि के खिलाफ अपनी पार्टी की शहर इकाई द्वारा आयोजित प्रदर्शन से इतर कहा, ''देश में लोग बदलाव चाहते हैं, क्योंकि वे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं महंगाई से आजिज हो चुके हैं। चूंकि यह सरकार महिला एवं किसान विरोधी है, इसलिए वे (महिला एवं किसान) सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। जब उनसे राकांपा नेता एकनाथ खडसे के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह इसके बारे में कुछ नहीं कह सकती हैं, क्योंकि वह अपने क्षेत्र में सूखे की स्थिति से निपटने में व्यस्त हैं। जब सुले से इस खबर के बारे में पूछा गया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 30 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों को नौकरी नहीं मिली है तो उन्होंने कहा कि यह देश में बढ़ती बेरोजगारी को दर्शाता है।

राक्षस, जानवर, चोर कहकर बुरे फंसे चंद्रबाबू नायडू

» चुनाव आयोग ने नोटिस भेज मांगा जवाब

» 48 घंटे में देना होगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। चंद्रबाबू नायडू पर 31 मार्च को उनकी प्रचार रैली के दौरान कथित तौर पर सीएम जगन मोहन रेड्डी को राक्षस, जानवर,चोर और कई अन्य आपत्तिजनक शब्द कहने का आरोप है।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए चुनाव आयोग ने टीडीपी प्रमुख के खिलाफ नोटिस जारी किया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की तरफ से जारी नोटिस के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और उसके नेता जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी मामले में जवाब देने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है।

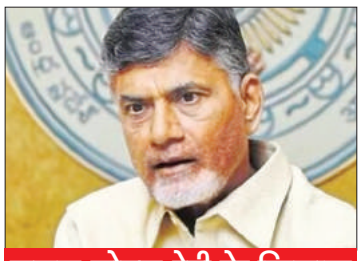

जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का आरोप

नोटिस में कहा गया है कि टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने येम्मिगनूर, मार्कापुरम और बापटला निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित अपने प्रचार अभियान रैलियों में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जिसमें मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को राक्षस, जानवर, चोर और कई अन्य अपमानजनक शब्द कहे गए। चुनाव आयोग ने पेन ड्राइव में उपलब्ध कराए गए भाषणों की समीक्षा की. इस दौरान यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन का मामला पाया गया।

नायडू को यह नोटिस युवजन श्रमिका रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के राज्य महासचिव लैला अप्पी रेड्डी और एक अन्य व्यक्ति की तरफ से की गई शिकायत के बाद जारी किया गया है।

धार्मिक स्थल से लौट रहे पांच श्रद्धालुओं की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदकोट (पंजाब)। कोटकपूरा के नजदीकी गांव पंजगराई खुर्द के पास गुरुवार-शुक्रवार की रात 2 बजे टाटा एस और ट्राले की टक्कर हो गई। हादसे में दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

» पंजाब में दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार ट्राला ने मारी टक्कर

घायलों को कोटकपूरा व फरीदकोट के अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सभी लोग मुक्तसर के गांव मराड कलां के रहने वाले हैं और बाघा पुराना के गांव निगाहा में धार्मिक स्थल से माथा टेकने के बाद टाटा एस गाड़ी में सवार होकर वापस लौट रहे थे। पंजगराई खुर्द के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्राला ने उनको टक्कर मार दी।

आरबीआई ने जनता को किया निराश

» महंगे ब्याज से नहीं मिली कोई राहत

» रेपो रेट स्थिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। ब्याज दरों में कमी की उम्मीद कर रहे लोगों को निराशा हाथ लगी है. रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक बार फिर से नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने वृहद आर्थिक परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद बहुमत से रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया है।

एमपीसी के 6 सदस्यों में से 5 ने रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का फैसला लिया। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास मौद्रिक नीति समिति की तीन दिनों की बैठक के बाद आज नतीजों की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला लिया है। यह लगातार सातवीं एमपीसी बैठक है, जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रिजर्व बैंक की एमपीसी ने आखिरी बार 14 महीने पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बदलाव किया था। उस समय रेपो रेट को बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया गया था।

महंगाई की दर 5 फीसदी से ज्यादा

अभी खुदरा महंगाई की दर 5 फीसदी से ज्यादा बनी हुई है। रिजर्व बैंक इसे 4 फीसदी के नीचे ले जाना चाहता है। फरवरी महीने में खुदरा महंगाई कम होकर 5.09 फीसदी पर आ गई थी। मार्च महीने के आंकड़े अभी जारी नहीं हुए हैं। दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 8 फीसदी से ज्यादा रही थी। मार्च तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में ग्रोथ रेट 8 फीसदी से ज्यादा रहने की उम्मीद की जा रही है।

असम के कांग्रेस अध्यक्ष का सीएम सरमा पर 10 करोड़ का मानहानि का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहटी। असम में कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने एक स्थानीय अदालत में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ 10 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि सीएम सरमा द्वारा की गई टिप्पणियों के कारण उनकी और पार्टी की छवि खराब हुई है।

» छवि खराब करने का लगाया आरोप

सीएम सरमा के अलावा इस मामले में एक स्थानीय अखबार के संपादक को वादी बनाया गया है। बोरा ने आरोप लगाया है कि कई मौकों पर सीएम सरमा के बयानों से यह दावा किया गया कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जल्द पार्टी छोड़ देंगे। इससे जनता के सामने उनकी और पार्टी की छवि खराब हुई है। असम के मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि बोरा भाजपा में शामिल होंगे, लेकिन बाद में विपक्षी पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

बदायूं के एक गुरुकुल से छात्र लापता, परिवार में मचा कोहराम

» 12 से 17 साल की उम्र के पांच छात्र बुधवार से नहीं मिल रहे

» पुलिस ने शुरू की तलाश, धारा 363 के तहत प्राथमिकी दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। बदायूं के जरीफ नगर थाना क्षेत्र स्थित एक स्कूल में पढ़ने वाले पांच छात्र रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गये हैं। इसके बाद से कोहराम मच गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और बच्चों की तलाश शुरू कर दी गई है।

जरीफनगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर कलां स्थित महर्षि दयानंद गुरुकुल के उप प्राचार्य राहुल कुमार की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक, 12 से 17 साल की उम्र के पांच छात्र बुधवार देर रात लापता हो गये। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही जरीफनगर पुलिस को तत्काल मौके पर भेजा गया और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही जरीफनगर पुलिस को तत्काल मौके पर भेजा गया और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं और उन्हें जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा।

उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उरी में सेना ने आतंकियों के घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। सेना फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार सेना ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक आतंकी को भी ढेर कर दिया है।

सेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार सबुरा नाला यूआरआई सेक्टर में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। आज तड़के सैनिकों और आतंकवादियों के बीच संपर्क स्थापित हो गया और ऑपरेशन अभी भी जारी है। इलाके में फायरिंग अभी भी जारी है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के घुसपैठ की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले साल भी इस तरह की एक घटना जम्मू की है। जम्मू में अखनूर के खौर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास भारी हथियारों से लैस चार आतंकवादियों के एक समूह को सुरक्षाबलों ने भारतीय क्षेत्र की ओर घुसपैठ की कोशिश करते हुए देखा गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।